(6)

[This question paper contains 3 printed pages.]

S. No. of Question Paper : 6223

Unique Paper Code : 213501

Name of the Paper : Vaidika Literature

Name of the Course : B.A. (Hons.) SANSKRIT

Semester : V

Roll No 2018

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19 ★

Time : 3 Hours **Maximum Marks: 75**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** *or* in **Hindi** *or* in **English**.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक–एक मन्त्र की व्याख्या कीजिए : 8x2=16

   Explain one Mantra from each section :

खण्ड 'क'

(Section I)

(अ) यः प्रा॑णतो नि॑मिषतो म॑हित्वैक इद्राजा जग॑तो बभूव॑ ।
य ईशे॑ अस्य द्विपदश्चतु॑ष्पदः कस्मै॑ देवाय॑ हविषा॑ विधेम ।।

(आ) ऋतावरी दिवो अर्कैरबोध्या रेवती रोदसी चित्रमस्थात्।
आयतीमग्न उषसं विभातीं वाममेषि द्रविणं भिक्षमाणः।।

खण्ड 'ख'

(Section II)

(अ) यज्जाग्र॑तो दूरमुदैति दैवं तदु॑ सुप्तस्य तथै॑व वैति॑।
दूरंगमं ज्योति॑षां ज्योतिरेकं तन्मे मन॑ः शिवस॑ंकल्पमस्तु।।

(आ) यस्यां॑ समुद्र उत सिन्धुरापो यस्यामन्नं कृष्टय॑ः सम्बभूवुः।
यस्या॑मिदं जिन्व॑ति प्राणदेजत्सा नो भूमिः॑ पूर्वपेये॑ दधातु।।

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किसी एक मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : 7

Explain the following mantra in *Sanskrit* :

हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

अथवा / **OR**

विश्वम्भरा वसुधानी प्रतिष्ठा हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी।
वैश्वानरं बिभ्रती भूमिरग्निमिन्द्रऋषभा द्रविणे नो दधातु।।

3. अक्षसूक्त अथवा अग्निहोत्रावयवोपासनाप्रकारः का दार्शनिक विवेचन कीजिए। 10
Write in your own words the philosophy of Akṣa Sūkta **or** Agnihotrāvayavopāsanāprakāraḥ.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 5X2=10

Write notes on any *two* of the following :

(क) वैदिक स्वर

(ख) वैदिक क्त्वा

(ग) वैदिक तुमुन्

5. प्रश्न संख्या 1 में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिये। 6

Render into Padapāṭha any **one** of the Mantras of question No. 1.

6. प्रत्येक खण्ड से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिये। 8X2=16

Explain any *two* Mantras choosing one from each section.

खण्ड – 'क'

(Section – I)

(अ) पीतोदका जग्धतृणा दुग्धदोहा निरिन्द्रियाः।
अनन्दा नाम ते लोकास्तान् स गच्छति ताः ददत्।।

(आ) श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेत –
स्तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः ।
श्रेयो हि धीरोऽभि प्रेयसो वृणीते
प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते ।

खण्ड – 'ख'
(Section – II)

(अ) एको वशी सर्वभूतान्तरात्मा, एकं रूपं बहुधा यः करोति ।
तमात्मस्थं येऽनुपश्यन्ति धीरास्तेषां सुखं शाश्वतं नेतरेषाम् ।।

(आ) न तत्र सूर्यो भाति न चन्द्रतारकं
नेमा विद्युतो भान्ति कुतोऽयमग्निः ।
तमेव भान्तमनुभाति सर्वं
तस्य भासा सर्वमिदं विभाति ।।

7. कठोपनिषद् में वर्णित पाँच महायज्ञों का वर्णन कीजिए। 10

Explain five great sacrifices described in Kaṭhopaniṣad.

अथवा / OR

कठोपनिषद् की विषयवस्तु संक्षेप में लिखिए।

Write the subject matter of Kaṭhopaniṣad in your own words.

(7) 6/12/18

[This question paper contains 2 printed pages]

6224 Your Roll No. .....

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Unique Paper Code : 213502

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Name of the Paper : **Reasoning: Ontology, Epistemology & Logic**

(न्याय : सत्तामीमांसा , ज्ञानमीमांसा एवं तर्कशास्त्र)

Semester : V

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न--पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग – 'क' (Section A)

1. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखिए : 6 x 3 = 18
   Write a short note on the following:

   (i) पृथिवी **अथवा / Or** शब्दगुण

   (ii) बुद्धि **अथवा / Or** षड्विध–इन्द्रियार्थसन्निकर्ष

   (iii) संस्कार **अथवा / Or** कर्म

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए : 7
   Write a short note in **Sanskrit** on any **one** of the following:

   परिमाण, द्रवत्व, रूप, मन।

3. कारण का लक्षण निरुपित करते हुए 'त्रिविधकारण' को स्पष्ट कीजिए। 9
   Define *Kāraṇa* and explain *Trividhakāraṇa*.

   अथवा / Or

अनुमान का लक्षण निरूपित करते हुए सोदाहरण 'पंचावयव' को स्पष्ट कीजिए।
Define *Anumāna* and explain *'Pañcāvayava'* with example.

4. 'अयुतसिद्ध' को परिभाषित हुए समवाय के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 9
Define *Ayutasidha* and explain the nature of *Samvāya*.

अथवा / Or

'सप्तैव पदार्था इति सिद्धम्' इस कथन की समीक्षा कीजिए।
Critically examine this statement -'सप्तैव पदार्था इति सिद्धम्'.

5. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :
Explain the following: 6 x 2 = 12

(i) अतीतादिव्यवहारहेतुः कालः ।

अथवा / Or

संयुक्तव्यवहारहेतुः संयोगः।

(ii) उपमितिकरणमुपमानम् ।

अथवा / Or

सव्यभिचारः अनैकान्तिकः।

भाग – 'ख' (Section B)

6. भारतीय दर्शन के अनुसार तर्क के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 10
Describe the nature of *Tarka* according to Indian philosophy.

अथवा / Or

तर्क यथार्थज्ञान की प्राप्ति में किस प्रकार सहायक है? स्पष्ट कीजिए।
Explain: how the *Tarka* is useful in attaining the valid knowledge?

7. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए : 5 x 2 = 10
Write a short note on the following:

(i) व्याघात (Contradiction)

अथवा / Or

चक्रक (Vicious circle)

(ii) तर्काप्रतिहति (Non-rebuttal by another confutation)

अथवा / Or

इष्टापत्ति (Logical implication)

(8)

10/12/18

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalk... New Delhi-19

This question paper contains 3 printed pages. Roll No. .....

Sr. No. of Question Paper : 6225

Unique Paper Code No : 213503

I

Name of the Paper : Epigraphy, Palaeography & Chronology

(अभिलेखशास्त्र, पुरालिपि एवं कालगणना)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Semester : V

Duration: 3 Hours Max. Marks: 75

(Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question answers should be written *either* in **Sanskrit** *or* in **Hindi** *or* in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer all questions.
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग 'क' / Part 'A'

1. अभिलेखों के महत्त्व का वर्णन कीजिए। 8

Outline the importance of inscriptions.

अथवा / or

लेखन सामग्री के आधार पर अभिलेखों के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

Describe kinds of inscriptions on the basis of writing material.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 5 + 5=10

Write short notes on any two of the following:

पुस्तकालय, लेखक, उत्कीर्णक, शासन (दान–पत्र)

भाग 'ख' / Part 'B'

3. ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ति के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। 8

Illustrate theories of origin of the Brahmi script.

अथवा / Or

भारतीय प्राचीन काल से ही लेखन–कार्य जानते थे, स्पष्ट कीजिए।

Indians knew art of writing during ancient period, explain.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 4 + 4 = 8

Write short notes on any **two** of the following:

ब्यूलर, गौरीशंकर हीराचन्द ओझा, प्रिंसेप, हुल्त्ज

भाग 'ग' / Part 'C'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : 5 + 5 = 10

Translate any **two** of the following :

(क) इध न किंचि जीवं आरभित्पा प्रजूहितव्यं .... पुरा महानसम्हि देवानं प्रियस प्रियदसिनो राजो अनुदिवसं बहूनि प्राणसतसहस्रानि आरभिसु सुपाथाय स अज यदा अयं धमलिपि लिखिता ती एव प्राणा आरभरे सुपाथाय द्वो मोरा एको मगो।

(ख) निः–सृष्टवृष्टिना पर्ज्जन्येन एकार्णवभूतायामिव पृथिव्यां कृतायां गिरेरूर्जयतः सुवर्णसिकता–पलाशिनी–प्रभृतीनां नदीनां अतिमात्रोद्वृतैर्वेगैः सेतुम..... मागानुरूप–प्रतीकारमपि गिरि–शिखर–तरु–तटाट्टलकोपतल्प–द्वारशरणोच्छ्रय–विध्वंसिना...

(ग) तातेन भक्ति–नय–विक्रमतोषितेन
यो राज–शब्द–विभवैरभिषेचनाद्यैः।
सम्मानितः परम–तुष्टि–पुरस्कृतेन
सोऽयं ध्रुवो नृपैरप्रतिवार्य्य–वीर्य्यः।।

(घ) लीला–मंदिरसोदरेषु भवतु स्वांतेषु वाम–भ्रुवां
शत्रूणां तु न विग्रह–क्षितिपते न्याय्योऽत्र वासस्तव।
शंका वा पुरुषोत्तमस्य भवतो नास्त्येव वारां निधे–
र्न्निर्म्मथ्यापहृतश्रियः किमु भवान्क्रोडे न निद्रायितः।।

6. चन्द्र के मेहरौली लोह स्तम्भ अभिलेख के आधार पर चन्द्र की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 8

Describe achievements of Chandra as presented in the Meharauli Iron Pillar Inscription of Chandra.

अथवा / Or

रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख का साहित्यिक महत्त्व प्रस्तुत कीजिए।

Discuss literary importance of the Junagadh inscription of Rudradaman.

7. समुद्रगुप्त के एरण अभिलेख की विषय–वस्तु स्पष्ट कीजिए। 5

Depict the contents of the Eran Inscription of Samudragupta.

अथवा / Or

अशोक के सारनाथ लघु शिला लेख की विषय–वस्तु स्पष्ट कीजिए।

Discuss the subject matter of the Saranath minor rock edict of Ashoka.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 3 + 3 = 6

Write shon notes on any two of the following :

देवानांप्रिय, कर्म–सचिव, सप्त–मुखानि (सिन्धोः), चाहमान, अमात्य

भाग 'घ' / Part 'D'

9. काल –निर्धारण पद्धति का विवेचन कीजिए। 8

Examine the theories of chronology.

10. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : 4

Write a note on any one of the following:

विक्रम संवत्, शक संवत्

(9) 30/11/2018

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 7903 **IC**

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (Core) CBCS**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

भाग 'क'

Section – A

1. निम्नलिखित मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain the following Mantra :

(क) स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव। सचस्वा नः स्वस्तये॥

अथवा / or

अवस्यूमेव चिन्वती मघोन्युषा याति स्वसरस्य पत्नी।
स्वर्जनन्ती सुभगा सुदंसा आन्ताद्दिवः पप्रथ आ पृथिव्याः॥

(ख) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्यच्छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

अथवा / or

यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति।
दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

2. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following Mantra in Sanskrit :

सुषारथिरश्वानिव यन्मनुष्यान्नेनीयतेऽभीशुभिर्वाजिन इव।
हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु॥

अथवा / or

मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन् मा स्वसारमुत स्वसा।
सम्यञ्चः सव्रता भूत्वा वाचं वदत भद्रया॥

3. सामनस्यम् सूक्त **अथवा** भूमि सूक्त की विषयवस्तु अपने शब्दों में लिखिए। (10)

Write in your words the subject matter of Samanasyam Sukta or Bhumi Sukta.

भाग 'ख'

Section – B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

Write notes on any **two** of the following :

(क) वैदिक सुबन्त Vaidika Subanta

(ख) वैदिक तुमुन् Vaidika Tumun

(ग) वैदिक क्त्वार्थक प्रत्यय Vaidika Ktvarthaka Pratyaya

5. प्रश्न संख्या 1 में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapatha any **one** of the Mantras of question No. 1.

अथवा / OR

पदपाठ के किन्हीं छः नियमों का उल्लेख कीजिए।

Write any **six** rules of Padapatha.

भाग 'ग'

Section – C

6. निम्नलिखित मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain the following Mantra :

(क) अविद्यायां बहुधा वर्तमाना, वयं कृतार्था इत्यभिमन्यन्ति बालाः ।
यत् कर्मिणो न प्रवेदयन्ति रागात्, तेनातुराः क्षीणलोकाश्च्यवन्ते ।।

अथवा / OR

यथोर्णनाभिः सृजते गृह्णते च, यथा पृथिव्यामोषधयः सम्भवन्ति ।
यथा सतः पुरुषात् केशलोमानि, तथाक्षरात् सम्भवतीह विश्वम् ।।

(ख) अतः समुद्रा गिरयश्च सर्वेऽस्मात् स्यन्दन्ते सिन्धवः सर्वरूपाः ।
अतश्च सर्वा ओषधयो रसश्च येनैष भूतैस्तिष्ठते ह्यन्तरात्मा ।।

अथवा / OR

प्रणवो धनुः शरो ह्यात्मा ब्रह्म तल्लक्ष्यमुच्यते ।
अप्रमत्तेन वेद्धव्यं शरवत् तन्मयो भवेत् ।।

7. मुण्डकोपनिषद् में वर्णित परा एवं अपरा विद्या का वर्णन कीजिए । (10)

Explain Para and Apara Vidya as described in Mundakopanishad.

अथवा / OR

मुण्डकोपनिषद् के नामकरण के कारणों का विवेचन किजिए ।

Justify the reason behind the name of Mundakopanisad.

(10) : 06/12/2018

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7925 **IC**

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : SANSKRIT GRAMMAR

Name of the Course : **B.A. (Hons) 'Sanskrit – CBCS**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any **four** words of the following :

अ च् ट् प् ल् त् म् क्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any **two** technical terms of the following :

इत्, सवर्ण, संयोग, गुण, उपसर्ग, धातु ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

Write the letters of any **four** of the प्रत्याहार :

अच् यण्, जश्, शर्, र, अम्, इक्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों का सूत्र-निर्देशपूर्वक सन्धिविच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Disjoin Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras :

हरये, कृष्णैकत्वम्, सच्चित् , एतन्मुरारिः, पुना रमते, उपेन्द्रः, कृष्णर्द्धिः

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following :

तपरस्तत्कालस्य, एङः पदान्तादति, सुप्तिङन्तं पदम्, आदिरन्त्येन सहेता, हशि च

भाग क / Section B

6. अन्विति 1 से **तीन** तथा अन्विति 2 से **दो** पदों को चुनकर कुल पाँच पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समाससिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing **Three** compounds from Unit 1 and **two** compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति – 1

उपकृष्णम्, सहरि, द्वियमुनम्, चोरभयम्, अब्राह्मणः,

अन्विति – 2

पीताम्बरः, युक्तयोगः, ईशकृष्णौ, पितरौ, शिवकेशवौ ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या, कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following sutras :

समर्थ: पदविधि:, विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, अनेकमन्यपदार्थे, चार्थे द्वन्द्व:, तत्पुरुण: समानाधिकरण: कर्मधारय:

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का प्रत्यय, सूत्रनिदर्शेपूर्वक शब्दनिर्माण कीजिए : (5×2=10)

Form words with suffixes quoting relevant Sutras in any **five** of the following :

एधनीयम्, कारक:, स्नातम्, पचमानम्, द्रष्टुम्, हसनम्, प्रकृत्य

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (2×3=6)

Choosing **two** Sutras explain and illustrate the following :

ईद्यति, समानकर्तृकयो: पूर्वकाले, ल्युट् च, अचो यत्

(11)

3/12/18

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8057 IC

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit CBCS (DSE-I)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O

भाग – 'क' (Section A)

बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्माभिव्यक्ति की पद्धति का वर्णन कीजिए। (11)

Describe the method of Self-presentation on the basis of Bṛahadāraṇyakopaniṣada.

अथवा / OR

श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन का वर्णन कीजिए।

Discuss the Śravana, Manan, and Nididhyāsana.

भाग – 'ख' (Section B)

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (7×2=14)

Explain the following :

(अ) मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां भावनातश्चित्तप्रसादनम्।

अथवा / OR

दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वणीकारसंज्ञा वैराग्यम्।

(आ) शौचसंतोणतपःस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि नियमाः।

अथवा / OR

स्थिरसुखमासनम्।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : (6×3=18)

Write short notes any **three** of the following :

(क) चित्तवृत्तिनिरोधोपाय (ख) यम

(ग) धारणा (घ) प्राणायाम

(ङ) क्रियायोग

भाग – 'ग' (Section C)

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए : (6×4=24)

Explain the following :

(क) एवं प्रवर्तितं चक्रं नानुवर्तयतीह यः।
अघायुरिन्द्रियारामोमोघं पार्थ स जीवति ।।

अथवा / OR

कर्मणैव हि संसिद्धिमास्थिताजनकादयः।
लोकसङ्ग्रहमेवापि सम्पश्यन्कर्तुमर्हसि ।।

(ख) प्रशान्तमनसं ह्येनं योगिनं सुखमुत्तमम्।
उपैति शान्तरजसं ब्रह्मभूतकल्मषम्।।

अथवा / OR

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति ।।

(ग) बीजं मां सर्वभूतानां विद्धि पार्थ सनातनम् ।
बुद्धिर्बुद्धिमतामस्मि तेजस्तेजस्विनामहम् ।।

अथवा / OR

तेषां ज्ञानी नित्ययुक्त एकभक्तिर्विशिष्यते ।
प्रियो हि ज्ञानिनोऽत्यर्थमहं स च मम प्रियः ।।

(घ) मय्येव मन आधत्स्व मयि बुद्धिं निवेशय ।
निवसिष्यसि मय्येव अत ऊर्ध्वं न संशयः ।।

अथवा / OR

श्रेयो हि ज्ञानमभ्यासाज्ज्ञानाद्ध्यानं विशिष्यते ।
ध्यानात्कर्मफलत्यागस्त्यागाच्छान्तिरनन्तरम् ।।

5. गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए । (8)

Describe the importance of "Karma-Yoga" for balanced living on the basis of Gitā.

अथवा / OR

गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्ति-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए ।

Describe the importance of "Bhakti-Yoga" for balanced living on the basis of Gitā.

(12)

3/12/18

[This question paper contains 3 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8058 **IC**

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre and Dramaturgy in Sanskrit

Name of the Course : **B.A. (Hons) Sanskrit CBCS DSE I**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** questions.
4. **All** questions carry equal marks. (15×5=75)

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

4. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. नाट्यमण्डप के निर्माण में भूमि के शोधन एवं मापन की प्रविधि का वर्णन कीजिए । (15)

Describe the examination and measurement of land in a theatre construction.

2. कथावस्तु एवं अर्थोपक्षेपक का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । (15)

Describe the subject-matter and interludes (arthopakshepaka) in detail.

3. रस-सूत्र में प्रयुक्त पारिभाषिक पदों की व्याख्या कीजिए । (15)

Explain the technical terms used in Rasa-sutra.

4. नायिका की विशेषताएँ एवं प्रकारों का विवेचन कीजिए । (15)

Discuss the attributes and kinds of heroine.

5. संवाद के विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए । (15)

Describe the various types of dialogue.

6. विविध कालों में रंगमंच के विकास का प्रतिपादन कीजिए । (15)

Discuss the development of theatre in different periods.

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

Explain **any five** of the following in detail :

रूपक, अर्थप्रकृति, आकाशभाषित, आधुनिक रंगमंच, कंचुकी, मन का विस्तार, विभाव (15)

(13)

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji New Delhi-19

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8224 **IC**

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre and Dramaturgy in Sanskrit

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit – CBCS – DSE-3**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt any **five** of the following questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

1. नाट्यमण्डप के निर्माण में भूमि के शोधन एवं मापन की प्रविधि का वर्णन कीजिए। (15)

Describe the examination and measurement of land in a theatre construction.

2. कथावस्तु एवं सन्धि का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। (15)

Describe the plot and sandhi in detail.

3. रस-सूत्र की व्याख्या कीजिए। (15)

Explain the Rasa-Sutra.

4. नेता के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss the various kinds of Hero.

5. नाटक में संगीत का क्या महत्त्व है ? ध्रुवगान के प्रकारों को परिभाषित कीजिए। (15)

What is the importance of music in a drama? Define the kinds of Dhruvagaan.

6. विविध कालों में रंगमंच के विकास का प्रतिपादन कीजिए। (15)

Discuss the development of theatre in different periods.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का विस्तार से वर्णन कीजिए। (15)

Explain any **three** of the following in detail :

अभिनय, अर्थप्रकृति, नियतश्राव्य, वाद्ययंत्र, नायिका

(14)

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8229 **IC**

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Āyurveda

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit CBCS – (DSE-2)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. आयुर्वेद की धन्वन्तरि-परम्परा का विस्तृत वर्णन करें। (20)

Write a comprehensive note on the Dhanvantari tradition of Āyurveda.

अथवा / OR

आयुर्वेद की पुनर्वसु-परम्परा का विस्तृत वर्णन करें।

Write a comprehensive note on the Punarvasu tradition of Āyurveda.

2. आयुर्वेद के अनुसार लघुत्रयी का विस्तृत वर्णन करें। (15)

Write a comprehensive note on Laghutrayī according to Āyurveda.

अथवा / OR

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(7.5×2=15)

Write short notes on any **two** of the following topics :

(i) चरक-संहिता (Carakasaṁhitā)

(ii) सुश्रुत-संहिता (Suśrutasaṁhitā)

(iii) अष्टांगसंग्रह (Aṣṭāṅgasaṁgraha)

(iv) अष्टांगहृदय (Aṣṭāṅgahṛdaya)

3. आयुर्वेद के अनुसार ऋतुचर्या का विस्तृत वर्णन करे। (20)

Write a comprehensive note on Ṛtucaryā according to Āyurveda.

4. तैत्तिरीयोपनिषद्-भृगुवल्ली में वरुण द्वारा भृगु को दिये गये उपदेश के आधार पर आयुर्वेदोक्त "समग्र-स्वास्थ्य" की अवधारणा को स्पष्ट करें। (20)

Define the Concept of "Holistic Health" on the basis of the knowledge given by Varuna to Bṛgu in the Bṛguvallī of Taittirīyopaniṣad.